

3

The Shepherd's Treasure

Supplementary

(English to Hindi Translation)

A poor shepherd once lived in Iran.

Though uneducated, he was very wise and helpful.

The king decided to meet him in disguise.

एक बार ईरान में एक गरीब चरवाहा रहता था।

हालांकि वह अशिक्षित था, वह बहुत बुद्धिमान और मददगार था।

राजा ने भेष बदलकर उससे मिलने का फैसला किया।

IN a village in Iran there once lived a shepherd. He was very poor. He did not have even a small cottage of his own. He had never been to school or learnt to read and write, for there were very few schools in those days.

ईरान के एक गांव में एक बार एक चरवाहा रहता था। वह बहुत गरीब था। उसके पास अपनी एक छोटी सी झोपड़ी भी नहीं थी। वह कभी स्कूल नहीं गया था या पढ़ना और लिखना नहीं सीखा था, क्योंकि उन दिनों बहुत कम स्कूल थे।

Though poor and uneducated, this shepherd was very wise. He understood people's sorrows and troubles, and helped them face their problems with courage and common sense. Many people came to him for advice. Soon he became famous for his wisdom and friendly nature. The king of that country heard about him, and thought of meeting him.

हालांकि वह चरवाहा गरीब और अशिक्षित था, वह बहुत बुद्धिमान था। वह लोगों के दुखों और परेशानियों को समझता था, और उन्हें उनकी समस्याओं का साहस और व्यवहार-बुद्धि के साथ उनका सामना करने में मदद करता था। कई लोग उसके पास सलाह के लिए आए। जल्द ही वह अपने ज्ञान और दोस्ताना स्वभाव के लिए प्रसिद्ध हो गया। उस देश के राजा ने उसके बारे में सुना और उससे मिलने के बारे में सोचा।

Disguised as a shepherd and riding on a mule, one day the king came to the cave where the wise shepherd lived. As soon as the shepherd saw the traveller coming towards the cave, he rose to welcome him. He took the tired traveller inside the cave, gave him water to drink and a share of his own meagre meal. The king rested for the night in the cave and was greatly impressed by the shepherd's hospitality and wise conversation.

एक चरवाहे के रूप में भेष बदलकर और एक खच्चर पर सवार होकर एक दिन राजा उस गुफा में आया, जहां बुद्धिमान चरवाहा रहता था। जैसे ही चरवाहे ने यात्री को गुफा की ओर आते देखा, वह उसका स्वागत करने के लिए उठा। वह थके हुए यात्री को गुफा के अंदर ले गया, उसे पीने के लिए पानी दिया और अपने ही मामूली भोजन का एक हिस्सा दिया। राजा ने रात को गुफा में विश्राम किया और चरवाहे के आतिथ्य और बुद्धिमानी भरी बातचीत से बहुत प्रभावित था।

3

The Shepherd's Treasure

Supplementary

(English to Hindi Translation)

The shepherd was able to make out that his visitor was none other than the king.

The king made the wise shepherd governor of a small district.

Other governors became jealous of the new governor and called him dishonest.

चरवाहा भी यह समझ गया था कि उसका आगंतुक कोई अन्य नहीं बल्कि राजा ही था।

राजा ने बुद्धिमान चरवाहे को एक छोटे से जिले का राज्यपाल बना दिया।

अन्य राज्यपालों को नए राज्यपाल से ईर्ष्या हो गई और उसे बेईमान बुलाने लगे।

Though still tired, the king decided to depart the next morning. He said, "Many thanks for your kindness to a poor traveller. I have a long way to go. Permit me to leave."

हालांकि अभी भी राजा थका हुआ था, उसने अगली सुबह प्रस्थान करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, एक गरीब यात्री के प्रति आपकी कृपा के लिए बहुत धन्यवाद। मुझे लंबा सफर तय करना है। मुझे जाने की अनुमति दें।

Looking straight into the eyes of his guest, the shepherd replied, "Thank you, Your Majesty, for paying me the compliment of a visit."

अपने अतिथि की आंखों में सीधे देखकर, चरवाहे ने जवाब दिया, 'धन्यवाद, महामहिम, मेरे यहां पधारने का सम्मान देने के लिए।

The king was astonished as well as pleased. 'He is indeed very wise,' he thought to himself. 'I need people like him to work for me.' And the king appointed this humble shepherd the governor of a small district.

राजा चकित होने के साथ-साथ प्रसन्न भी था। उसने स्वयं में सोचा, 'वह वास्तव में बहुत बुद्धिमान है। मैं चाहता हूँ कि उसके जैसे लोग मेरे लिए काम करें। और राजा ने इस विनम्र चरवाहे को एक छोटे से जिले का राज्यपाल नियुक्त कर दिया।

Although he rose to power and dignity, the shepherd remained as humble as ever. People loved and honoured him for his wisdom, sympathy and goodness. He was kind and just to one and all. His fame as a fair and wise governor soon spread throughout the country.

हालांकि वह सत्ता और गरिमा की सीढ़ियां चढ़ गया, चरवाहा हमेशा की तरह विनम्र बना रहा। लोग उसकी बुद्धि, सहानुभूति और अच्छाई के लिए उसे प्यार करते थे और सम्मान करते थे। वह सभी के लिए दयालु और न्यायपूर्ण था। एक निष्पक्ष और बुद्धिमान राज्यपाल के रूप में उनकी प्रसिद्धि जल्द ही पूरे देश में फैल गई।

3 The Shepherd's Treasure

Supplementary

(English to Hindi Translation)

Now the governors of other provinces grew terribly jealous of him and began to talk to the king against him. They said, "He is very dishonest, and keeps for himself part of the money that he collects as tax from the people." Why did he always carry with him, they added, an iron chest? Perhaps he carried in it the treasure that he had secretly collected. After all, they said mockingly, he was an ordinary shepherd and could behave no better.

अब दूसरे प्रांतों के राज्यपालों को उससे बहुत जलन होने लगी और वह उसके खिलाफ राजा से बात करने लगे। उन्होंने कहा, 'वह बहुत बेईमान है, और अपने लिए उस धन का हिस्सा रखता है जो वह लोगों से कर के रूप में एकत्र करता है। उन्होंने आगे कहा, वह हमेशा अपने साथ एक लोहे का बक्सा क्यों ले जाता है? शायद वह उसमें वह खजाना ले जाता है जो उसने चुपके से इकट्ठा किया है। आखिरकार, उन्होंने मजाक में कहा, वह एक साधारण चरवाहा था और कोई बेहतर व्यवहार नहीं कर सकता।

The new governor was called to the palace.
He was ordered to explain why he always carried an iron chest.
The chest contained no gold or silver.

नए गवर्नर को महल में बुलाया गया।
उसे यह समझाने का आदेश दिया गया कि वह हमेशा अपने साथ लोहे का बक्सा क्यों ले जाता है।
बक्से में कोई सोना या चांदी नहीं था।

At first the king did not pay attention to these reports, but how long could he ignore these governors and their endless stories about the shepherd? One thing was certain, the king discovered. The new governor did carry an iron chest with him all the time.

पहले तो राजा ने इन रिपोर्टों पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन कब तक वह इन राज्यपालों की और चरवाहे के बारे में अंतहीन कहानियों की अनदेखी कर सकता है? राजा ने सोचा कि एक बात तो निश्चित थी। नया राज्यपाल हर समय अपने साथ लोहे का बक्सा लेकर चलता था।

So, one day, the new governor was summoned to the palace. He came riding on his camel, and to everyone's delight, the famous iron chest was there fastened securely behind him on the camel's back.

इसलिए एक दिन नए राज्यपाल को महल में बुलाया गया। वह अपने ऊंट पर सवार होकर आया था, और हर किसी की खुशी के लिए, प्रसिद्ध लोहे के बक्से को ऊंट की पीठ पर उसके पीछे वहां सुरक्षित रूप से बांध गया था।

Now the king was angry. He thundered, "Why do you always carry that iron chest with you? What does it contain?"

अब राजा नाराज हो गया। वह गरजा, 'तुम अपने साथ हमेशा वह लोहे का बक्सा लेकर क्यों चलते हो? इसके अंदर क्या है?'

3 The Shepherd's Treasure

Supplementary

(English to Hindi Translation)

The governor smiled. He asked his servant to bring in the chest. How eagerly the people standing around waited for the shepherd to be found out! But how great was their astonishment, and even of the king himself, when the chest was opened! No gold or silver or jewels but an old blanket was all that came out. Holding it up proudly, the shepherd said, "This, my dear master, is my only treasure. I always carry it with me."

राज्यपाल मुस्कराया। उसने अपने नौकर को बक्सा लाने को कहा। कितनी उत्सुकता से आसपास खड़े लोग चरवाहे का पर्दाफाश होने का इंतजार कर रहे थे! लेकिन उनका आश्चर्य कितना बढ़ा था, और यहां तक कि खुद राजा का भी, जब बक्से को खोला गया! कोई सोना या चांदी या गहने नहीं बल्कि केवल एक पुराना कंबल बाहर आया। इसे गर्व से पकड़े हुए चरवाहे ने कहा, 'महाराज, यह मेरा प्रिय, मेरा एकमात्र खजाना है। मैं हमेशा इसे अपने साथ ले जाता हूँ।'

"But why do you carry such an ordinary blanket with you? Surely, you are the governor of a district?" the king asked. To which the shepherd replied with quiet dignity, "This blanket is my oldest friend. It will still protect me if, at any time, Your Majesty should wish to take away my new cloaks."

राजा ने पूछा, 'लेकिन तुम अपने साथ इस तरह के एक साधारण कंबल को क्यों ले जाते हो? निश्चित रूप से, आप एक जिले के राज्यपाल हैं? जिस पर चरवाहे ने पूरी गरिमा के साथ उत्तर दिया, 'यह कंबल मेरा सबसे पुराना दोस्त है। यह अभी भी मेरी रक्षा करेगा अगर, किसी भी समय पर, महामहिम मेरे नए कपड़े छीन लेते हैं।'

How pleased the king was, and how embarrassed the jealous governors became to hear the wise man's reply! Now they knew that the shepherd was indeed the humblest and the wisest man in the land. The king made him the governor of a much bigger district that very day.

बुद्धिमान आदमी का जवाब सुनकर राजा बहुत खुश था, और ईर्ष्यालु राज्यपाल बहुत शर्मिंदा हुए! अब वे जानते थे कि चरवाहा वास्तव में देश में सबसे विनम्र और सबसे बुद्धिमान आदमी था। राजा ने उसी दिन उसे एक कहीं बड़े जिले का राज्यपाल बना दिया।

(an Iranian folktale)

(एक ईरानी लोककथा)